बाइबल पर आधारित निर्णय लेना

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय दो

निर्देशात्मक दृष्टिकोण: परमेश्वर और उसका वचन

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-वस्तु

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 3

नोट्स 4

I. परिचय (0:30) 4

II. स्तर के रूप में परमेश्वर (4:15) 4

A. अपने आप में परमेश्वर (5:44) 4

1. व्यक्तिगत विशेषता (6:17) 4

2. परम स्तर (11:04) 5

B. न्यायी के रूप में परमेश्वर (15:00) 6

C. आशय (19:53) 7

III. स्तर के रूप में वचन (24:55) 8

A. तीन श्रेणियां (26:31) 8

B. निर्देशात्मक चरित्र (27:57) 9

1. सामान्य प्रकाशन (28:30) 9

2. विशेष प्रकाशन (46:06) 11

3. अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन (49:38) 13

C. एकता (1:05:32) 15

IV. उपसंहार (1:07:35) 16

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 17

उपयोग के प्रश्न 21

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:30)

II. स्तर के रूप में परमेश्वर (4:15)

परमेश्वर परम नैतिक मानक है क्योंकि वह अपने से बाहर या ऊपर के किसी स्तर के प्रति उत्तरदायी नहीं है।

A. अपने आप में परमेश्वर (5:44)

1. व्यक्तिगत विशेषता (6:17)

परमेश्वर स्वयं ऐसा स्तर है जिसके द्वारा सारी नैतिकता को मापा जाता है।

अच्छाई और उपयुक्तता परमेश्वर के व्यक्तित्व की अच्छाई से निकलते हैं।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

परमेश्वर परम नैतिक व्यवस्था के रूप में प्रकट होते है :

- प्रभु को सिद्धता के शिखर के रूप में, पूर्ण रूप से दोषरहित व्यक्ति के रूप में प्रकट किया गया है।
- हम परमेश्वर के कार्यों और उसके चरित्र के समक्ष अपनी अच्छाई को मापते हैं।

अच्छाई में वे स्वभाव, नैतिक मूल्य, उद्देश्य, अभिलाषाएं, और लक्ष्य शामिल होते हैं जो जीवित परमेश्वर अपने हृदय में रखता है।

2. परम स्तर (11:04)

परमेश्वर के व्यक्तित्व से बड़ा कोई स्तर नहीं है। परमेश्वर की अच्छाई सारी अच्छाई का परम स्तर है।

कभी-कभी बाइबल के लेखक भी बाइबल के समक्ष परमेश्वर को मापते हैं।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

जब बाइबल के लेखकों ने परमेश्वर की तुलना व्यवस्था के स्तर के साथ की, तो उन्होंने दर्शाया कि किस प्रकार व्यवस्था परमेश्वर के चरित्र को अभिव्यक्त करती है।

B. न्यायी के रूप में परमेश्वर (15:00)

परमेश्वर में यह निर्धारित करने का विशेषाधिकार है कि कोई कार्य, संवेदनाएं, और विचार उसकी नैतिक मांगों को पूरा करते हैं या उल्लंघन करते हैं।

परमेश्वर अंतिम निर्णय लेगा कि हमने नैतिकता के साथ जीवन बिताया है या नहीं, और उसके निर्णय पूरी तरह से स्थाई होंगे।

परमेश्वर के निर्णय सिद्ध होते हैं, जो त्रुटिरहित विचार और बुद्धि, असीम निष्पक्षता और दोषरहित नैतिकता को प्रकट करते हैं।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

C. आशय (19:53)

न्याय करने में परमेश्वर की सामर्थ और अधिकार उसके द्वारा रचे गए प्राणियों को उसके चरित्र के स्तर के अनुसार जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं।

मनुष्यजाति को परमेश्वर की आज्ञा माननी और उसका अनुसरण करना आवश्यक है।

बहुत से लोग परमेश्वर की आज्ञाओं का निरादर करते हैं और अपने जीवनों के लिए अपने नियमों को बना लेते हैं।

परमेश्वर के स्तर को मानने की हमारी जिम्मेदारी मसीह में हमारी क्षमा से संबंधित है।

जिनके पास उद्धारकर्ता के रूप में यीशु है उन्हें प्रभु के रूप में उसकी आज्ञा माननी आवश्यक है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

III. स्तर के रूप में वचन (24:55)

हमें व्यावहारिक मानक के रूप में उसके प्रकाशन या वचन पर निर्भर होना चाहिए।

A. तीन श्रेणियां (26:31)

पारंपरिक रूप में, धर्मविज्ञानियों ने परमेश्वर के प्रकाशन के बारे में मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बात की है: विशेष प्रकाशन और सामान्य प्रकाशन।

तीन प्रकार के प्रकाशन :

- विशेष प्रकाशन
- सामान्य प्रकाशन (इतिहास और सृष्टि में परमेश्वर का प्रकाशन)
- अस्तित्व संबंधी प्रकाशन (मनुष्यों में परमेश्वर का प्रकाशन)

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. निर्देशात्मक चरित्र (27:57)

1. सामान्य प्रकाशन (28:30)

सृष्टि और इतिहास हमें परमेश्वर और उसकी नैतिक मांगों के विषय में सच्ची बातें सिखाते हैं।

सामान्य प्रकाशन हमें सब कुछ नहीं सिखा सकता, परन्तु सच्ची बातें सिखाने के लिए बहुत ही स्पष्ट रूप में बात करता है।

a. जटिलता

सामान्य प्रकाशन के कुछ पहलू सब लोगों के लिए आम हैं, वहीं अन्य सीमित समूहों के लोगों तक ही सीमित होते हैं।

सामान्य प्रकाशन की कुछ जानकारी बहुत ही कम लोगों को होती है कि यह विशेष प्रकाशन के समान प्रतीत होता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनरूत्थान की ऐतिहासिक सच्चाई सब लोगों को पश्चाताप के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार का सामान्य प्रकाशन विशेष प्रकाशन के बहुत समान है क्योंकि यह दुर्लभ और विचित्र है।

b. महत्व

हमारे समय में पवित्रशास्त्र प्रकाशन का सबसे सर्वोच्च रूप है, फिर भी हम सामान्य प्रकाशन की वैधता और स्थिर अधिकार की पुष्टि करते हैं।

परमेश्वर ने अपनी रचनाओं और उन रचनाओं के साथ अपने परस्पर संबंध के माध्यम से अपने चरित्र को प्रकट किया है।

इसलिए जो कोई परमेश्वर के प्रकाशन के विपरीत कार्य करता है वह पाप करने का दोषी ठहरता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

सृष्टि और इतिहास में परमेश्वर का प्रकाशन स्पष्ट है, परन्तु लोग इसे ठुकरा देते हैं और इसे झूठा समझते हैं।

2. विशेष प्रकाशन (46:06)

विशेष प्रकाशन ऐसा मानक है जो हमारे जीवनों पर लागू होता है।

a. जटिलता

अधिकांश रूप मौखिक या लिखित वचन पर निर्भर होते हैं, परन्तु सब में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों से इन रूपों में बात करना शामिल होता है जो सृष्टि के सामान्य क्रियाकलापों से बाहर हों।

परमेश्वर अपने लोगों के साथ और अधिक प्रत्यक्ष रूप में बातचीत करने के लिए प्राकृतिक घटनाओं के बहाव में हस्तक्षेप करता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

वे प्रकाशन जो अधिक दूर की मध्यस्थता से आते हैं, वे सबसे कम विशेष होते हैं। वे जो सीधे परमेश्वर की ओर से आते हैं, सबसे अधिक विशेष होते हैं।

वर्तमान प्रकाशन का सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत रूप केवल पवित्रशास्त्र है।

पवित्रशास्त्र में भी ऐसे भाग हैं जो बहुत विशेष हैं और अन्य भाग हैं जो थोड़े सामान्य हैं।

b. महत्व

सारा विशेष प्रकाशन वह स्तर है जिसके सदृश्य हमें बनना है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

जब परमेश्वर बाइबलीय भविष्यवक्ताओं और प्रेरितों जैसे अपने आधिकारिक प्रतिनिधियों के माध्यम से सत्य को प्रकट करता है तो यह विशेष प्रकाशन पूरी तरह लागू होने वाला होता है।

हमारे समय में हमारे पास कोई जीवित आधिकारिक प्रेरित और भविष्यवक्ता नहीं हैं।

बाइबल जो सब समयों के सब लोगों पर लागू होती है।

3. अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन (49:38)

सामान्य प्रकाशन के एक भाग को श्रेणीबद्ध करने का भिन्न तरीका।

परमेश्वर परिषदों, प्राचीन लेखकों, मनुष्यों की धर्मशिक्षाओं, और निजी आत्माओं को अपनी इच्छा प्रकट करने में इस्तेमाल करता है, यद्यपि उनके निर्धारण पवित्रशास्त्र के अधीन होने जरूरी हैं।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

a. भौतिक पहलू

अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन के भौतिक पहलुओं में ये बातें सम्मिलत होती हैं:

- मानवीय अस्तित्व
- व्यक्तिगत और सामूहिक मानवीय निर्णय
- मानवीय स्वभाव

क्योंकि हम परमेश्वर के चरित्र को दर्शाते हैं, इसलिए हम लोगों की ओर देखकर परमेश्वर के बारे में बहुत सी बातें सीख सकते हैं।

व्यक्तिगत और सामूहिक निर्णय अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन का एक रूप है, इस बात से गहराई से जुड़ा हुआ है कि हम परमेश्वर के स्वरूप में रचे गए हैं।

परमेश्वर मानवीय व्यवहार को बाहरी प्रकार के अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन के रूप में इस्तेमाल करता है।

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

b. आंतरिक पहलू

पवित्र आत्मा का प्रकाश : समझ का स्वर्गीय वरदान जो परमेश्वर विश्वासियों, और यहां तक कि अविश्वासियों को भी देता है।

परमेश्वर सब लोगों में उसकी व्यवस्था के मूल ज्ञान को रखता है।

पवित्र आत्मा की आंतरिक अगुवाई : अधिक अगुवाई संवेदनशील और अंतर्ज्ञानी

C. एकता (1:05:32)

सामान्य, विशेष और अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन :

- एक ही परमेश्वर को प्रकट करते हैं
- समान स्तर को प्रकट करते हैं
- लागू होने वाले और आधिकारिक हैं

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

हमें हमारे समक्ष उपस्थित सारे प्रकाशन को देखते हुए हमारे नैतिक निर्णय लेने चाहिए।

IV. उपसंहार (1:07:35)

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. किस प्रकार स्वयं परमेश्वर नैतिकता का परम स्तर है?

2. किस प्रकार परमेश्वर नैतिकता के परम न्यायी के रूप में कार्य करता है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. प्रकाशन की तीन श्रेणियों का वर्णन कीजिए जो परमेश्वर के वचन का हिस्सा हैं?

4. किस प्रकार सामान्य प्रकाशन हमें परमेश्वर के स्तर के विषय में सिखाता है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. किस प्रकार विशेष प्रकाशन हमें परमेश्वर के स्तर के विषय में सिखाता है?

6. किस प्रकार अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन हमें परमेश्वर के स्तर के विषय में सिखाता है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

7. किस प्रकार सामान्य. विशेष और अस्तित्व-संबंधी प्रकाशन परस्पर जुड़े हुए हैं?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. किन रूपों में आप परमेश्वर को जानने का प्रयास करते हैं? एक ऐसे समय का उदाहरण दें जब परमेश्वर को जानने की क्रिया ने आपके समक्ष एक सही कार्यप्रणाली को प्रकट किया है?

2. लोग इस बात के प्रति कैसे प्रतिक्रिया देते हैं कि परमेश्वर एक परम नैतिक न्यायी है? मनुष्यों के बारे में ऐसी कौनसी समानांतर बातें हैं जो इसे समझने में आसान बनाती हैं? और मनुष्यों के बारे में ऐसी कौनसी समानांतर बातें हैं जो इसे समझने में कठिन बनाती हैं?

3. 1 यूहन्ना 1:7 पढ़ें। यूहन्ना ने क्यों कहा कि परमेश्वर के स्तर को मानने की हमारी जिम्मेदारी मसीह में हमारी क्षमा से संबंधित है?

4. परमेश्वर के बारे में ऐसी सच्ची बातों का वर्णन करें जो आपने सामान्य प्रकाशन से सीखी हैं।

5. परमेश्वर के बारे में ऐसी सच्ची बातों का वर्णन करें जो आपने विशेष प्रकाशन से सीखी हैं।

6. किस प्रकार विश्वासी दूसरे लोगों को देखकर परमेश्वर के बारे में सत्य को सीख सकते हैं?

7. अपने जीवन में पवित्र आत्मा द्वारा दिए गए प्रकाश का उदाहरण दीजिए। एक अविश्वासी के जीवन में पवित्र आत्मा द्वारा दिए गए प्रकाश का उदाहरण दीजिए।

8. एक नैतिक निर्णय लेने में परमेश्वर के प्रकशन के सभी प्रारूपों के प्रयोग के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

9. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है?

© 2007 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org